मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 91 ■ शुक्रवार, 20 जून 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

क्यों लापता होना चाहते थे अभिषेक बच्चन?

आयुक्त का कार्य 'चार दिन की चांदनी...'

ना सड़कें बनी और ना ही हुआ कोई बड़ा बदलाव

अधिकारियों व कर्मचारियों का भ्रष्टाचार जारी

- मूलभूत सुविधा तक नहीं मिल पा रही शहरवासियों को
- पानी, सड़क, कचरा व सफाई जैसी आम सुविधा से शहरवासी वंचित
- विधायक आयलानी भी शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका को पहली बार महिला आयुक्त मिलने से शहरवासियों में खुशी की लहर देखने को मिली और खासकर महिला राज से घरेलू महिलाओं को आम सुविधा मिलने की उम्मीद जगी लेकिन मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले द्वारा चार दिनों के जोरदार कार्य के बाद शहरवासियों की एक बार फिरसे उम्मीदें अब टूट चुकी हैं क्योंकि शहर में ना ही सड़कें बनी और ना ही कोई बड़ा बदलाव आयुक्त मैडम के आने के बाद हुआ है.

उल्हासनगर मनपा के हर विभाग में अधिकारियों की अदला बदली तो हो रही है लेकिन भ्रष्टाचार अभी भी जारी है. पीडब्ल्यूडी, टीपीडी, टैक्स, जनरल आदि हर विभाग में आज भी कार्य सिर्फ कागजों पर ही है. असली कार्य जिसे आम शहरवासियों का जीवन बदले ऐसा देखने को अब तक नहीं मिल रहा है. शहरवासियों का कहना है कि हर आयुक्त का कार्य चार दिन की चांदनी जैसा ही है. सभी आते हैं और चार दिन के फोटो सेशन के बाद अपने कार्यालय में जमे रह जाते हैं.

उल्हासनगर शहर में आज सड़कें उखड़ी हुई है जिससे बारिश में हर सड़क पर दुर्घटनाएं हो रही है. पैदल चलने वाले भी इन खराब सड़कों के कारण गिर रहे हैं. शहर की करीब हर सड़क खुदी हुई है. बारिश में नाला सफाई अधूरी ही रह गई. जिससे बारिश में कई इलाके जलमग्न हो रहे हैं. उल्हासनगर-1 से 5 तक के कई क्षेत्रों में पानी की समस्या बरकरार है. रोजाना पानी न मिलने से शहरवासी परेशान है पानी वितरण प्रणाली पर प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है. निजी ठेकेदार कोणार्क कंपनी द्वारा शहर में रोजाना 8 लाख रुपए लेकर भी कचरा नहीं उठाया जा रहा है. शहर में कचरे का साम्राज्य है और सफाई कर्मचारी भी सफाई नहीं करने से शहर में सफाई का भी आभाव है. अवैध निर्माण बेरोक टोक चल रहे हैं. प्रभाग अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों को बिंदास अवैध निर्माण करने की अनुमति दे रहे हैं और अपनी जेबें भर रहे हैं. सार्वजनिक बांधकाम विभाग में बड़े ठेकेदार मलाई खा रहे हैं और शहर को खड्डे में डाल रहे हैं यहां नकली बिलों का बोलबाला है और टेंडर प्रक्रिया के बिना टेंडर घोटाला किया जा रहा है. टाऊन प्लानिंग में भी अवैध आरसीसी बिना डीपी प्लान को देखते हुए मंजूर किए जा रहे हैं. टैक्स विभाग में बड़ा घोटाला जल्द ही बाहर आने वाला है. मनपा मुख्यालय के हर विभाग में भ्रष्टाचार को रोकने और अधिकारियों व कर्मचारियों पर नकेल कसने में नई आयुक्त पूरी तरह विफल साबित हुई है.

विधायक आयलानी भी जिम्मेदार...

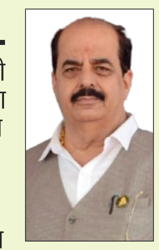

अगर मनपा आयुक्त और विधायक कुमार आयलानी कार से उतरकर दुपहिया वाहन पर शहर का जायजा लेंगे तो उन्हें शहर की जमीनी तौर पर सच्चाई सामने आएंगी. शहरवासियों से अगर वो सीधे तौर पर रूबरू होंगी और उनकी समस्या सीधे सुनेंगी तो शहर की असली हालत का उन्हें पता चलेगा. फिलहाल तो शहरवासियों ने जो पहली महिला मनपा आयुक्त से उम्मीदें लगाई थी वो पूरी तरह विफल साबित हो रही है. आगामी मनपा चुनाव के मद्देनजर अब यंत्रणा और व्यस्त होगी यानी शहर हमेशा की तरह खड्डे में ही पड़ा रहेगा. शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार जितने प्रशासकीय अधिकारी हैं उतने ही शहर के विधायक कुमार आयलानी भी हैं क्योंकि उन्होंने आयुक्त पर अपनी सारी गलती थोप दी है. अगर शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार आयुक्त और विधायक नहीं है तो कौन है? इसका जवाब सभी के पास है.

उल्हासनगर में महिला अफसरों का राज

उल्हासनगर. मनपा की स्थापना के 29 वर्षों में पहली बार आईएएस महिला अधिकारी मनीषा आव्हाले ने जनवरी माह में आयुक्त का पदभार ग्रहण किया है. इसके साथ ही, राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग ने उनके साथ चार महिला अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है, जो पहली बार है कि उल्हासनगर मनपा में महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई है.

उल्हासनगर नगर निगम की स्थापना 1996 में हुई थी. तब नगरपालिका चुनाव हुए थे. इनमें यशस्विनी नाइक, लीलाबाई आशान, ज्योति कलानी, राजश्री चौधरी, विद्या निर्मले, मालती करोतिया, पंचम कलानी और आशा ईदनानी जैसी महिलाएं मेयर पद पर रह चुकी हैं. दिलचस्प बात यह है कि महिलाओं का शासन वार्ड समितियों, विषय समितियों में महिला प्रतिनिधियों और नगरपालिका में प्रमुख पदों पर महिला अधिकारियों के साथ शुरू हुआ था.

जनवरी 2025 में मनपा की स्थापना के बाद पहली बार आयुक्त के पद पर मनीषा आव्हाले की नियुक्ति की गई. महाराष्ट्र सरकार के नगरविकास विभाग ने आव्हाले के साथ विशाखा मोटघरे, दीपाली चौगले, स्नेहा करपे और सहायक आयुक्त मयूरी कदम को प्रतिनियुक्ति पर उपायुक्त नियुक्त किया है. इसके अलावा, मनपा में पहली बार महिला अधिकारी हैं क्योंकि स्थानीय महिला अधिकारी जैसे प्राजक्ता कुलकर्णी-सचिव, नीलम कदम-कर निर्धारणकर्ता और कलेक्टर, अलका पवार-सहायक आयुक्त वार्ड समिति एक, सलोनी निवकर-सहायक आयुक्त वार्ड समिति तीन, श्रद्धा बाविस्कर-प्रणाली विश्लेषक, विशाखा सावंत-उद्यान विभाग प्रमुख आदि महिलाएं हैं.

बार-बार लाइट गुल होने से लोगों का आक्रोश बढ़ा

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में गत गई दिनों से शहरवासी बार-बार बिजली के गुल हो जाने से काफी रोष में हैं. गत तीन दिनों से घंटों पावर कट होने पर लोग महावितरण के ढीले कारोबार पर प्रश्न उठा रहे हैं. इस गंभीर मसले को लेकर पूर्व नगरसेवक उमर इंजीनियर ने गुरुवार को महावितरण कार्यालय में जाकर अधिकारियों को गुलाब पुष्प देकर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार महावितरण लोगों से भरपूर बिल की रकम वसूल कर रहा है, उस प्रकार लोगों को बिल्कुल भी सेवाएं प्रदान नहीं की जा रही है.

उन्होंने अधिकारियों को एक निवेदन देकर बताया कि शहर में एकमात्र उप जिला अस्पताल छाया अस्पताल है, जहां रोजाना सैकड़ों मरीज उपचार हेतु आते हैं. यहां आपरेशन के समय लाइट चली जाती है, जो किसी दिन किसी मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकती है. उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि मई महिने में बार-बार कई घंटों तक लोडशेडिंग लेकर बिजली बंद करके लाइट की समस्या को हल क्यों नहीं किया गया?

उमर इंजीनियर ने अधिकारियों से कहा है कि वह लाइट के बार-बार चले जाने को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और अपने कर्तव्य से मुंह मोड रहे हैं. ये ठीक बात नहीं है. अगर ऐसा ही रहा तो उन्हें जन आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है. आठ दिनों के भीतर पावर कट की समस्या को हल नहीं किया गया तो उन्होंने आंदोलन की धमकी दी है.

अंबरनाथ में रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

- चौथी सीट बिठाने पर सीधे आपराधिक मामले दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. मंगलवार शाम को शिवाजीनगर पुलिस ने चौथे यात्री को बिठाने पर ऑटोरिक्शा चालकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया. लोकनगरी नाले के पास हुई इस अचानक कार्रवाई के बाद रिक्शा चालकों तक तुरंत संदेश पहुंच गया. इसके बाद रिक्शा चालक ने चौथे यात्री को अंबरनाथ में आनंदनगर औद्योगिक एस्टेट से अंबरनाथ स्टेशन जाने वाली सड़क पर उतार दिया.

पिछले कुछ वर्षों से रिक्शा किराया लगातार बढ़ रहा है. रिक्शा चालक अक्सर परिवहन विभाग के आदेशों की अवहेलना करते हुए किराया बढ़ा देते हैं. कोरोना संकट के दौरान एक रिक्शा में केवल दो यात्रियों को ही बैठने की अनुमति दी गई थी. इसलिए उस समय यात्रियों से अतिरिक्त किराया वसूला जाने लगा. बाद में दो यात्रियों की जगह तीन यात्रियों ने ले ली. अब चौथे यात्री को भी बैठाया जाने लगा लेकिन किराया वही रहा.

अंबरनाथ पूर्व में शिवाजीनगर पुलिस ने अंबरनाथ में आनंदनगर औद्योगिक एस्टेट से अंबरनाथ रेलवे स्टेशन तक के मार्ग पर लोकनगरी श्मशान घाट के पास जाल बिछाकर ऐसे रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई की. यात्री भी असमंजस में थे क्योंकि पुलिस ने अचानक सड़क पर नियंत्रण कर लिया और कार्रवाई शुरू कर दी. शाम करीब साढ़े छह बजे इस अभियान में कई रिक्शा रोके गए. शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल ने बताया कि रिक्शा चालकों की तस्वीरें लेकर उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है. पाटिल ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी. आनंदनगर औद्योगिक एस्टेट में शाम 6 बजे के बाद से श्रमिक कंपनियों से निकल जाते हैं. वे रिक्शे से अंबरनाथ स्टेशन तक यात्रा करते हैं. शाम को कार्रवाई की खबर रिक्शा चालकों के बीच जंगल में आग की तरह फैल गई. इसके बाद रिक्शा चालक ने आनंदनगर चौकी से चौथे यात्री को उतारना शुरू कर दिया.

तीसरी भाषा को अनिवार्य बनाने के फैसले का

मनसे ने जताया विरोध

उल्हासनगर. मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य में हिंदी थोपे जाने का कड़ा विरोध किया. इसके बाद राज्य के कई हिस्सों में लोग हिंदी थोपे जाने के खिलाफ आक्रामक होते नजर आए. इस बीच उल्हासनगर में मनसैनिक भी आक्रामक हो गए और हिंदी अनिवार्य अध्यादेश का होली जलाई. उस समय मनसैनिकों ने हिंदी अनिवार्यता और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए और उल्हासनगर के उप-विभागीय अधिकारी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा. इस बीच, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो और भी अधिक हिंसक विरोध प्रदर्शन होंगे.

उल्हासनगर मनसे ने प्रांतीय कार्यालय के बाहर इस सरकारी आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि सरकार महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को सिर्फ इसलिए फंसाने की कोशिश कर रही है क्योंकि यह आदेश दिल्ली से आया है. प्रांतीय अधिकारी (एसडीओ) विजयानंद शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा गया. इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन कदम, जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख, मनविसे जिला अध्यक्ष धनंजय गुरव, उपजिला अध्यक्ष शैलेश शिर्के, प्रदीप गोडसे, नगर अध्यक्ष संजय घुगे, मनविसे नगर अध्यक्ष वैभव कुलकर्णी, शहर संगठक अशोक गरड, मनसे उप नगर अध्यक्ष सचिन बेंडके, मुकेश शेटपलानी, रवि पाल, शैलेश पांडव, यातायात सेना के नगर संगठक कालू थोरात, विभाग अध्यक्ष देवा तायडे, अक्षय शामिल थे. ठाकुर, मोहित बेहरानी, नीलेश शिंदे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे.

'अपराध उन्मूलन विशेष मिशन 1.0' अभियान

12 दिनों में 1201 अपराधों को सुलझाने में सफलता

उल्हासनगर. अपराधों की जटिलताओं में उलझी न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के लिए उल्हासनगर जोन 4 अंतर्गत शुरू किए गए 'अपराध उन्मूलन विशेष मिशन 1.0' अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली है. मात्र 12 दिनों में 1201 लंबित मामलों का निपटारा करके पुलिस बल ने न केवल संख्या के मामले में बल्कि कार्यकुशलता के मामले में भी एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन ने सबसे ज्यादा अपराधों का निराकरण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है. महिला पुलिस कांस्टेबल भाग्यश्री आंबीगार का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा है.

उल्हासनगर जोन 4 के अंतर्गत पुलिस स्टेशनों में लंबित मामलों को देखते हुए 4 से 15 जून तक 'अपराध उन्मूलन विशेष अभियान 1.0' लागू किया गया था. इस अभियान के तहत जोन के सभी थानों में विशेष निकास दल गठित किए गए. पुलिस ने इसमें बड़े उत्साह से भाग लिया और मात्र 12 दिनों में 1201 अपराधों को सुलझाने में सफलता प्राप्त की.

> अपराध उन्मूलन विशेष मिशन 1.0 सिर्फ एक मिशन नहीं था, बल्कि हमारी कार्य संस्कृति का दर्पण था. 1201 अपराधों से मुक्ति कोई संख्या की दौड़ नहीं थी, यह न्यायिक प्रक्रिया में लोगों के विश्वास को मजबूत करने वाला कदम था. यह सफलता इसलिए संभव हुई क्योंकि प्रत्येक अधिकारी ने जिम्मेदारी से भाग लिया. ऐसी पहल पुलिस की कार्यकुशलता को दिशा प्रदान करती हैं और नागरिकों के साथ संवाद को मजबूत बनाती हैं. हम भविष्य में भी इस तरह के अभियान चलाते रहेंगे.
>
> – सचिन गोरे, पुलिस उपायुक्त, उल्हासनगर जोन 4

इस अभियान का समापन और पुरस्कार समारोह रोटरी क्लब मिडटाउन हॉल, उल्हासनगर में आयोजित किया गया. इस अवसर पर सभी थानों के प्रभारी अधिकारी, अपराध निरीक्षक एवं कार्यरत अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रत्येक टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

अंबरनाथ पुलिस का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अभियान में सबसे अधिक अपराधों का निराकरण कर अंबरनाथ पुलिस स्टेशन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. इसके बाद हिललाइन पुलिस स्टेशन दूसरे और उल्हासनगर पुलिस स्टेशन तीसरे स्थान पर आया. इस रैंकिंग के अनुसार प्रदर्शन की समीक्षा की गई. उल्लेखनीय है कि महिला पुलिस कांस्टेबल भाग्यश्री अम्बिगार (बक्कल नं. 78) ने अकेले 170 अपराधों को सुलझाकर सर्वोच्च व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की. उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें विशेष सम्मान और नकद पुरस्कार दिया गया.

अंबरनाथ दीपक नगर में लोगों को मिल रहा पानी

नई पाइप लाइन बिछाने से पानी की समस्या हुई हल

- विकास सोमेश्वर का प्रयास सफल
- नागरिकों ने जताया आभार

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में जलापूर्ति समस्या को हल करने के लिए शिवसेना के विकास सोमेश्वर अब आगे आए हैं. यहां के दीपक नगर में पानी की पाइप लाइन खराब होने एवं पुरानी होने से लोगों को पानी नहीं मिल रहा था. तीन से चार दिनों बाद कम दबाव में पानी आ रहा था. विकास और शिवसेना युवा सेना अध्यक्ष राहुल सोमेश्वर के पास यहां के निवासियों ने शिकायत करने पर उन्होंने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के अधिकारी देशपांडे से भेंट करके एवं विधायक डॉ. बालाजी किणीकर से दीपक नगर की पुरानी पाइप लाइन को हटाकर नई पाइप लाइन बिछाने का आग्रह किया. मजीप्रा ने यहां नई पाइप लाइन बिछाने के बाद परिसर के लोगों को अब समुचित पानी मिलने लगा है. परिसर के नागरिकों ने विकास सोमेश्वर का आभार व्यक्त करते हुए पत्रकारों को बताया कि इससे पूर्व भी विकास ने परिसर में अपनी जेब से रकम खर्च करके लाइट लगाकर दिया है एवं परिसर में सीसीटीवी कैमरे भी बिठाकर दिए हैं. महिलाओं ने बताया कि पहले वह पानी के लिए रात-रात भर जागती थीं. तीन-चार दिन तक पानी नहीं मिलता था. नई पाइप लाइन बिछाने से अब उनको नियमित और फोर्स के साथ पानी मिल रहा है.

अंततः सत्संग विहार प्रबंधकों के खिलाफ मामला दर्ज

- नदी का तल मिट्टी भरकर पाटने का मामला

बदलापुर. बदलापुर शहर से होकर बहने वाली उल्हास नदी के तल को मिट्टी से भरने का काम पश्चिम में सत्संग विहार नामक संस्था द्वारा किया गया. स्थानीय लोगों द्वारा मामले की ओर ध्यान आकर्षित करने के बाद अंबरनाथ राजस्व प्रशासन ने संगठन पर 10.16 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे नदी से गाद हटाकर नदी को बहाल करने का आदेश दिया था. हालाँकि, जब संगठन ने इस आदेश का पालन नहीं किया, तो अंततः अंबरनाथ तहसीलदार कार्यालय द्वारा एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया.

अप्रैल में, बदलापुर शहर के पश्चिम में स्थित एक धार्मिक संगठन सत्संग विहार ने उल्हास नदी बेसिन में 8,912 ब्रास मिट्टी, 196 ब्रास पत्थर और 83 ब्रास पत्थर पाउडर डाला. परिणामस्वरूप उल्हास नदी का प्रवाह पथ बदल गया. इस मामले में अंबरनाथ तहसीलदार अमित पुरी ने इस गौण खनिज के भराव के लिए 9 करोड़ 93 लाख 67 हजार 141 रुपए का जुर्माना तथा इस भराव के लिए उपयोग की गई मशीनरी और उपकरणों के लिए 22 लाख 50 हजार रुपए का बांड, कुल 10 करोड़ 16 लाख 17 हजार 141 रुपए का जुर्माना भरने का आदेश दिया था. साथ ही उल्हास नदी में अनधिकृत अवरोध को 25 मई तक हटाने और नदी को बहाल करने के आदेश भी दिए थे. चेतावनी दी गई कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो जुर्माना सहित आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा.

सत्संग विहार संस्था ने 30 मई तक की समयसीमा भी मांगी थी. हालांकि, उसके बाद भी जब भराव नहीं हटाया गया तो अंबरनाथ के तहसीलदार अमित पुरी ने कुलगांव मंडल के अधिकारियों को संगठन के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया. इसके बाद सत्संग विहार के प्रबंधकों के खिलाफ बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता, आपदा प्रबंधन अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. इस मामले के दर्ज होने के बाद पर्यावरणविदों और नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया है. हालांकि, संबंधित संगठन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है.

मनपा चुनाव : प्रभाग रचना की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू

- मनपा अधिकारियों की बैठक संपन्न

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका ने 2025 के मनपा चुनाव के लिए वार्ड गठन की मसौदा प्रक्रिया शुरू कर दी है. सरकार के आदेश और चुनाव आयोग के निर्देशानुसार शहर की नई वार्ड सीमाओं को खींचने का काम आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है और हाल ही में उल्हासनगर महानगरपालिका में इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई. राजनीतिक घटनाक्रम के गति पकड़ने से पहले ही उल्हासनगर महानगर पालिका ने चुनाव की प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कर दी है. डी श्रेणी के नगर निगमों की वार्ड संरचना के प्रारूप के संबंध में महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग से आदेश प्राप्त होने के बाद उल्हासनगर नगर निगम क्षेत्र में नई वार्ड संरचना के प्रथम चरण के रूप में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवास की अध्यक्षता में निर्वाचन विभाग, नगर नियोजन विभाग, इंजीनियरिंग शाखा एवं तकनीकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश

इस बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों और न्यायालय के निर्देशों के अनुसार वार्ड गठन, कानूनी प्रक्रिया और सटीकता की गोपनीयता बनाए रखना आवश्यक है. इस बैठक में शहर की वार्ड संरचना के लिए समिति बनाने, जनगणना की जानकारी, प्राकृतिक तत्वों और गूगल मैप के आधार पर सीमा निर्धारण करने, स्थलीय निरीक्षण कर वार्ड सीमाओं का निर्धारण करने, अधिकारियों और कर्मचारियों की टास्क फोर्स बनाने, वार्ड मानचित्र और ड्राफ्ट तैयार कर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने, सुनवाई आयोजित करने और अंतिम वार्ड संरचना चुनाव आयोग को प्रस्तुत करने सहित कई निर्णय लिए गए. इस बैठक में डॉ. किशोर गवस ने सभी संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए तथा समन्वय के माध्यम से कार्य को शीघ्रता एवं व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के आदेश दिए.

इस बैठक में उपायुक्त (चुनाव) स्नेहा करपे, सहायक आयुक्त (चुनाव) अजय साबले, कार्यकारी अभियंता अशोक घुले, उप अभियंता अश्विनी आहूजा, महेंद्र ढिंडे, सिस्टम विश्लेषक श्रद्धा बाविस्कर, संजय पवार, परमेश्वर बुडगे, अश्विनी गर्जे, हर्ष बोबले, संजय बांगर, सुशांत पेवेकर, सुमेश चौगले और अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.

यह प्रक्रिया नगरपालिका सीमाओं के भीतर नई राजनीतिक सीमाओं, स्थानीय क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व के अनुपात और चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों के लिए महत्वपूर्ण होगी. आने वाले दिनों में इस मसौदे पर आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे तथा नागरिकों को भी इस प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सिर्फ 259 घंटे की साफ हवा

यह लापरवाही नहीं तो और क्या है कि देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली ने राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के तहत मिली राशि का एक तिहाई से भी कम खर्च किया है. ऐसे में यहां स्वच्छ वायु की उम्मीद कैसे की जा सकती है. अगर यहां के बाशिंदों को साफ हवा नहीं मिलती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदूषण और तापमान का जनजीवन पर संयुक्त प्रभाव वास्तव में चिंता का विषय है. एक नए अध्ययन में कहा गया है कि गर्मी और प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक हवा के अवसरों को सीमित कर देता है.

सीईपीटी विश्वविद्यालय और जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनी की इस अध्ययन रपट को हमें गंभीरता लेना होगा. इसमें कहा गया है कि दिल्ली में हर वर्ष लगभग 2,210 घंटे ऐसे होते हैं, जब तापमान 18 से 31 डिग्री के बीच रहता है. इस दौरान 1,951 घंटे ऐसे होते हैं, जब वायु गुणवत्ता खराब होती है. यानी 259 घंटे ही लोगों को साफ हवा मिल पाती है.

इसमें कोई दोराय नहीं कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का नागरिकों की सेहत पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है. एक तरफ उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है, तो दूसरी ओर असहज तापमान के जोखिम से भी बचना है. कुछ शहरों की स्थिति दिल्ली से बेहतर जरूर हो सकती है, लेकिन भविष्य में वहां भी यही समस्या गहराने वाली है. लिहाजा, इन परिस्थितियों में जीने की आदत डालने के बजाय इस चुनौती का सामना करने के लिए कुछ नए उपाय करने होंगे.

ऐसे सुझाव भी दिए जा रहे हैं कि घर इस तरह से बनाए जाएं, जहां ऊर्जा की बचत के साथ हवा का बेहतर प्रवाह हो. सेहत और सुकून के लिए अब जरूरी है कि शहरों और महानगरों में मौसम के अनुकूल नए भवन बनें और पुराने घरों में पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था हो. इससे स्वच्छ हवा अधिक मिल सकेगी. इस दिशा में गंभीरता सोचने का वक्त आ गया है.

SOP के उल्लंघन ने केदारनाथ यात्रा को असुरक्षित बनाया

केदारनाथ यात्रा भारत की पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक है. इसकी जड़ें सैकड़ों वर्षों पुरानी हैं और आदिगुरु शंकराचार्य के समय तक जाती हैं. यह केवल एक भौतिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा और तप से भरी आध्यात्मिक यात्रा है. पिछले दस वर्षों में इस यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है. 2013 की भीषण बाढ़ और उसके बाद हुए पुनर्निर्माण एवं प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद केदारनाथ में तीर्थयात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है.

1990 के प्रारंभ में जहां प्रतिदिन औसतन केवल 2,500 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते थे, वहीं आज यह संख्या 30,000 से अधिक हो चुकी है. प्रतिवर्ष 20 लाख से भी अधिक यात्री हर सीजन में केदारनाथ यात्रा करते हैं. इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की केदारनाथ जी में आस्था जहां सुखद अनुभूति है, वहीं व्यवस्था और पर्यावरण की दृष्टि से एक चुनौती भी. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ संवेदनशील हिमालयी वातावरण और पहाड़ों की भारवाहक क्षमता पर दबाव डाल रही है. जब विषय आस्था और भावना से जुड़ा हो, तब भीड़ रोकने के नियमों का पालन कराना कठिन हो जाता है. दुर्भाग्यवश अब यह यात्रा कुछ लोगों के लिए 'स्टेटस सिंबल' बन गई है.

2013 की त्रासदी के बाद भूगर्भीय बदलावों से पैदल मार्ग को 14 किमी से बढ़ाकर 19 किमी करना पड़ा. अब यह मार्ग और कठिन हो गया है, विशेषकर बुजुर्गों के लिए. अब पैदल मार्ग पर घोड़े भी चलते हैं, जो यात्रा को

असुरक्षित बना रहे हैं. राहत के रूप में शुरू की गई हेलीकाप्टर सेवा भी आज सुविधा के साथ एक चुनौती बन गई है. ये उड़ानें ध्वनि प्रदूषण करती हैं, जीवाश्म ईंधन जलाती हैं और पर्वतीय जलवायु को क्षति पहुंचाती हैं. हेलीकाप्टर से लोग अल्प समय में गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, जहां तापमान, हवा का दबाव और आक्सीजन भी कम होती है. इससे व्यक्ति खुद को मौसम के अनुकूल नहीं ढाल पाता, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं.

उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथारिटी हेलीकाप्टर सेवा का संचालन करती है. यात्रियों के टिकट का मूल्य 7,000 से भी कम रखा है, जो आज किफायती ही कहा जा सकता है, क्योंकि इतने में तो कभी-कभी घोड़े भी नहीं मिलते. इससे हेलीकाप्टर टिकट प्राप्त करना एक चुनौती बन गया है. लंबी कतारें, टिकटों की कालाबाजारी, फर्जी वेबसाइटों के जाल में फंसना आम है. जब मौसम पूरा दिन साफ रहे, तब भी अधिकतम 2,000 यात्री ही प्रतिदिन हेलीकाप्टर से यात्रा कर सकते हैं, लेकिन टिकटों की मांग 10,000 से भी अधिक होती है. इससे वीआइपी सिफारिशों का प्रशासन पर दबाव बना रहता है. इस क्षेत्र में मौसम अत्यंत अनिश्चित होता है. कभी-कभी तो कुछ ही मिनटों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षित लैंडिंग कठिन हो जाती है.

ऐसे में सुरक्षा मानकों की अवहेलना कर उड़ान भरने का दबाव पायलटों और प्रशासन पर बना रहता है. अगर मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को सख्ती से लागू किया जाए, तो दुर्घटनाओं की आशंका घट सकती है, पर इससे उड़ानों की संख्या घटेगी, जो व्यावसायिक रूप से हेलीकाप्टर संचालकों के लिए अनुकूल नहीं. श्रद्धालुओं में भी असंतोष बढ़ता है और वे खराब मौसम में भी हेलीकाप्टर संचालन की मांग करते हैं. इन कारणों से हेलीकाप्टर आवश्यकता से अधिक चक्कर लगाते हैं, जिससे उनके रखरखाव की उपेक्षा होती है और तकनीशियनों पर सीमित समय में उनकी सर्विसिंग का दबाव होता है, ताकि अधिक उड़ानों की अव्यावहारिक मांग पूरी की जा सके.

खराब मौसम, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और समय के दबाव में कभी-कभी तकनीकी त्रुटि हो जाती है, जो जानलेवा साबित होती है. इसी 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इसमें पायलट और एक बच्चे सहित सात तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई. खराब मौसम और दृश्यता की कमी इस दुर्घटना के मुख्य कारण रहे. पायलट ने निर्धारित समय से पहले उड़ान भरी और प्रतिकूल मौसम के बावजूद उड़ान जारी रखी. यह इस वर्ष की चारधाम यात्रा की पांचवीं हेलीकाप्टर दुर्घटना थी.

प्रभु में पुनर्मिलन के लिए, हमारी आत्मा को उन सभी चीजों से मुक्त होना होगा जो प्रेम नहीं हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पाकिस्तान मसलों में तीसरे पक्ष की कोई जगह नहीं

कश्मीर मसले समेत पाकिस्तान से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत का रुख हमेशा से द्विपक्षीय बातचीत पर केंद्रित रहा है. किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया. संयुक्त राष्ट्र और कुछ अन्य देशों की ओर से कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की पेशकश की जाती रही है, लेकिन भारत ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया. पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' से सहमे पाकिस्तान ने भारत पर हमले का नाकाम प्रयास किया था. मगर, इससे पहले कि कार्रवाई तेज होती, दोनों देशों की सहमति से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गई.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर यह दावा किया कि अमेरिका की मध्यस्थता की बदौलत ही भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो पाया है. भारत ने इस दावे को तत्काल खारिज कर दिया था. अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से फोन पर बातचीत में भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही भारत ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी. इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है.

दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सबसे पहले घोषणा डोनाल्ड ट्रंप ने दस मई को सोशल मीडिया के जरिए की थी. उन्होंने यह दावा भी किया था कि संघर्ष रोकने पर सहमत न होने पर उन्होंने दोनों देशों के साथ व्यापार रोकने की चेतावनी दी थी. इसके बाद ट्रंप ने कई बार इस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने ही दोनों देशों को संघर्ष विराम के लिए राजी किया. हालांकि, ट्रंप के दावे से पैदा हुई भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए सरकार ने कई दफा स्पष्ट किया कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है.

अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लेने गए थे, जहां डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे. मगर, इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच सम्मेलन से इतर बातचीत नहीं हो पाई. प्रधानमंत्री ने बीते मंगलवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत की. विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक, इस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों हुए संघर्ष पर भी बात हुई और प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी थी. मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न कभी स्वीकार करेगा. यह भी साफ किया चुका है कि अब आतंकवाद को छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखा जाएगा. इसमें दोराय नहीं है कि आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई नपी-तुली, सटीक तथा तनाव को और बढ़ावा नहीं देने वाली थी. भारत का यह रुख निस्संदेह पाकिस्तान के लिए भी एक कड़ा संदेश है कि अगर वह द्विपक्षीय मसलों में किसी तीसरे पक्ष को बीच में लाने का प्रयास करेगा, तो उसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा.

मादा को रिझाने के लिए बदलता रंग, निकालता है अलग आवाज

मानसून की दस्तक के साथ ही प्रकृति ने भी अपना करिश्मा दिखाना शुरू कर दिया है. खरगोन जिले में

जरा हट के

पहली बारिश के बाद कुछ इलाकों में लोगों को चटकदार पीले रंग का मेंढक नजर आया है. देखने में यह मेंढक किसी खिलौने जैसा लगा लेकिन असल में यह एक खास प्रजाति का जीव है. इसका नाम इंडियन बुल फ्रॉग है, जो साल में सिर्फ एक बार इस रूप में दिखाई देता है. चूंकि ये मेंढक बारिश के मौसम में अपने प्रजनन काल में होते हैं, ऐसे में नर मेंढक मादा को आकर्षित करने के लिए अपना रंग बदल लेते हैं. आम दिनों में इनका रंग भूरा या मेहरून जैसा होता है लेकिन जैसे ही मानसून शुरू होता है, ये सूरजमुखी के फूल जैसे पीले हो जाते हैं. इसके साथ ही ये टर्र-टर्र की तेज आवाजें भी निकालते हैं.

जीव विज्ञान की प्रोफेसर डॉ शैल जोशी लोकल 18 को बताती हैं कि नर मेंढक ही इस तरह रंग बदलने की क्षमता रखते हैं. यह कोई बीमारी नहीं होती बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जो जेनेटिक स्तर पर होती है. मादा को आकर्षित करने के लिए ही नर मेंढक रंग बदलने के साथ खास आवाजें भी निकालते हैं.

वोकल कोर्ड से आती है आवाज

नर मेंढक के गले में एक खास तरह की थैली होती है, जिसे वोकल सैक या वोकल कोर्ड कहते हैं. इसी के जरिए ये टर्र-टर्र की आवाजें निकालते हैं, जो दूर से सुनाई देती है और मादा मेंढकों को बुलाने में मदद करती है. इंडियन बुल फ्रॉग का आकार भी आम मेंढकों से बड़ा होता है. इसकी लंबाई करीब 17 इंच तक हो सकती है. जब यह पीले रंग में नजर आता है, तो इसकी पीठ पर हरी धारियां बनी रहती हैं. बता दें कि भारत में मेंढक की 400 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं. वहीं दुनियाभर में इनकी संख्या 5000 से भी ज्यादा है. इंडियन बुल फ्रॉग को वैज्ञानिक भाषा में Hoplobatrachus tigerinus या राना टिग्रिना नाम से भी जाना जाता है. यह भारत सहित पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों में पाया जाता है.

मिक्स सॉस पास्ता

सामग्री :

- 1½ कप पास्ता
- 4-5 कप पानी
- 1 छोटा चम्मच नमक
- 1 छोटा चम्मच तेल
- 2 टमाटर
- 1 छोटा प्याज
- 4-5 लहसुन की कलियां
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- ½ छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच ऑरिगैनो
- 1 छोटा चम्मच चीनी
- नमक स्वादानुसार
- 1 बडा चम्मच तेल
- 1 बडा चम्मच मक्खन
- 1 बडा चम्मच मैदा
- 1 कप दूध
- ¼ कप कद्दूकस किया हुआ चीज
- ½ छोटा चम्मच काली मिर्च
- नमक स्वादानुसार
- ½ कप कटी हुई शिमला मिर्च (लाल, हरी, पीली)
- ½ कप कटा हुआ प्याज
- 1 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स
- 1 बडा चम्मच तेल

विधि :

सबसे पहले एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसमें नमक और तेल

डालें. जब पानी उबलने लगे, तो इसमें पास्ता डालें और इसे हल्का कच्चा रहने तक पकाएं. इसके बाद पास्ता को छानकर ठंडे पानी से धो लें और एक तरफ रख दें. दूसरी तरह टमाटर, प्याज और लहसुन को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें. अब कड़ाही में तेल गर्म करें और टमाटर पेस्ट डालकर 4-5 मिनट पकाएं. इसके बाद इसमें लाल मिर्च, काली मिर्च, ऑरिगैनो, चीनी और नमक डालकर मिलाएं और सॉस गाढा होने तक पकाएं. जब सॉस गाढ़ा हो जाए, तो गैस से उतारकर एक तरफ रख दें. अब एक पैन में मक्खन गर्म करें और उसमें मैदा डालकर भूनें. इसके बाद इसमें धीरे-धीरे दूध डालकर चलाते हुए गाढा सॉस बना लें. ध्यान रखें कि इसमें गांठ न पड़े. इसमें कद्दूकस किया हुआ चीज, काली मिर्च और नमक डालकर मिलाएं. इसके बाद एक बड़ी कड़ाही में तेल गर्म करें और प्याज व शिमला मिर्च को हल्का सॉफ्ट होने तक भूनें.

अब इसमें तैयार रेड सॉस और व्हाइट सॉस डालकर मिलाएं और उबले हुए पास्ता को सॉस में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें.

इसे 2-3 मिनट तक पकाएं और ऊपर से चीज और चिली फ्लेक्स डालकर सर्व करें.

दूसरों के सामने कभी न करें बच्चों को डांटने की गलती!

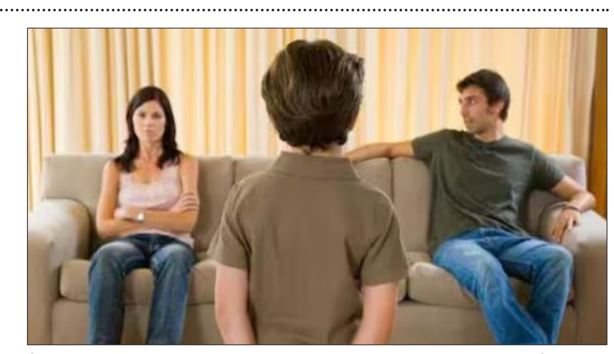

भुगतने पड़ेंगे 5 नुकसान

सोचिए, आप अपने बच्चे के साथ कहीं बाहर हैं. अचानक आपके बच्चे से कोई गलती हो जाती है– शायद उसने शरारत की हो, या कुछ गिरा दिया हो. ऐसे में, बिना सोचे-समझे, आप वहीं सबके सामने उसे डांटना शुरू कर देते हैं. आपने तो अपनी तरफ से उसे सही करने की कोशिश की, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी यह छोटी-सी 'सुधार' की कोशिश, आपके बच्चे के मन पर कितना गहरा और नेगेटिव असर डाल सकती है?

जी हां, भले ही गलती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, दूसरों के सामने बच्चों को डांटना उन्हें जीवन भर के लिए कुछ ऐसे जख्म दे सकता है, जिनकी भरपाई मुश्किल है. आइए जानें इसके 5 नुकसान.

■ कॉन्फिडेंस में कमी

जब आप बच्चे को दूसरों के सामने डांटते हैं, तो उसे बहुत शर्मिंदगी महसूस होती है. उसे लगता है कि उसने कुछ बहुत बुरा कर दिया है और अब सब लोग उसे गलत समझेंगे. यह भावना धीरे-धीरे उसके आत्मविश्वास को कमजोर करती है और उसमें हीन भावना पैदा कर सकती है. भविष्य में वह कोई भी नया काम करने से पहले 10 बार सोचेगा, क्योंकि उसे डांट पड़ने या दूसरों के सामने बेइज्जत होने का डर रहेगा.

■ चिड़चिड़ेपन की समस्या

लगातार दूसरों के सामने डांटे जाने से बच्चे के मन में विद्रोह की भावना पनप सकती है. वह सोचने लगता है कि ₹मैं कितना भी अच्छा कर लूं, मुझे डांट ही पड़ती है.₹ ऐसे में वह आपकी बात मानना कम कर सकता है और जिद्दी या चिड़चिड़ा हो सकता है. कुछ बच्चे तो जानबूझकर वही गलतियां दोहराने लगते हैं, ताकि वे अपना गुस्सा दिखा सकें.

■ आपसे दूरी बनाना और बातें छिपाना

अगर बच्चा बार-बार दूसरों के सामने डांटा जाता है, तो उसे लगने लगता है कि आप उसे समझते नहीं हैं और वह आपके सामने असुरक्षित महसूस करता है. ऐसे में वह आपसे दूरी बनाना शुरू कर देता है और अपनी बातें या परेशानियां आपसे साझा करने से बचता है. उसे डर लगता है कि अगर उसने कुछ बताया, तो उसे फिर से डांट पड़ेगी. यह माता-पिता और बच्चे के बीच के मज़बूत रिश्ते को कमजोर कर देता है.

■ सामाजिक मेलजोल से कतराना

दूसरों के सामने डांट पड़ने से बच्चा सामाजिक स्थितियों से कतराने लगता है. उसे लगता है कि लोग उसका मज़ाक उड़ाएंगे या उसे जज करेंगे. वह पार्टियों, स्कूल की एक्टिविटीज या दोस्तों के साथ खेलने से बचना शुरू कर सकता है. यह उसके सामाजिक विकास के लिए अच्छा नहीं है और उसे अकेलापन महसूस करा सकता है.

■ दूसरों के प्रति गुस्सा और जलन

जब बच्चे को लगता है कि दूसरों के सामने उसकी बेइज्जती हुई है, तो वह उन लोगों के प्रति गुस्सा या जलन महसूस कर सकता है जिनके सामने उसे डांटा गया है. यह भावना भविष्य में उसके रिश्तों को प्रभावित कर सकती है. वह लोगों से दूरी बना सकता है या फिर उनके प्रति नकारात्मक रवैया रख सकता है.

डांटे नहीं, तो क्या करें?

गलती होने पर बच्चे को समझाना जरूरी है, लेकिन इसका सही समय और जगह चुनना और भी ज्यादा जरूरी है. हमेशा बच्चे को अकेले में समझाएं, उसे अपनी गलती सुधारने का मौका दें और बताएं कि आप उससे प्यार करते हैं, भले ही उसकी गलती आपको पसंद न आई हो. ऐसा करने से आपका बच्चा सेफ फील करेगा और आपके साथ उसका रिश्ता और भी गहरा होगा.

आज का राशिफल

मेष : पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. जल्दबाजी न करें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. विवाद को बढ़ावा न दें. बनते काम बिगड़ सकते हैं. भाइयों से कहासुनी हो सकती है. आय बनी रहेगी. व्यापार ठीक चलेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें.

वृषभ : दूसरों से अपेक्षा न करें. घर-परिवार की चिंता रहेगी. अज्ञात भय सताएगा. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. व्यापार लाभदायक रहेगा. प्रयास करें. कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी. नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं. चोट व दुर्घटना से हानि संभव है.

मिथुन : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यापार अच्छा चलेगा. नौकरी में अनुकूलता रहेगी. भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं. मातहतों का सहयोग मिलेगा. कर्ज की रकम चुका पाएंगे. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. आलस्य न करें. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क : व्यापार ठीक चलेगा. निवेश में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. वाणी पर संयम रखें. अनहोनी की आशंका रहेगी. पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा. प्रसन्नता रहेगी. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

सिंह : आय बनी रहेगी. दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. बेवजह दौड़धूप रहेगी. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कोई शोक समाचार मिल सकता है. अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है. पार्टनरों से मतभेद संभव है. व्यवसाय की गति धीमी रहेगी.

कन्या : मान-सम्मान मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ मिलेगा. नए काम करने की इच्छा बनेगी. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. मनोरंजन का वक्त मिलेगा. जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें. सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा.

तुला : ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा. भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. शत्रुओं का पराभव होगा. प्रमाद न करें.

वृश्चिक : भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. रोजगार प्राप्ति होगी. किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा. प्रसन्नता रहेगी. भाग्य अनुकूल है. लाभ लें. प्रमाद न करें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा.

धनु : विवेक का प्रयोग करें. लाभ होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं. फालतू खर्च होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. लापरवाही न करें. बनते काम बिगड़ सकते हैं. कानूनी समस्या हो सकती है. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आलस्य न करें.

मकर : व्यापार में वृद्धि के योग हैं. पार्टनरों का सहयोग मिलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. यात्रा लाभदायक रहेगी. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा. किसी अपने का व्यवहार दु:ख पहुंचाएगा.

कुंभ : प्रसन्नता रहेगी. प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे. आय में वृद्धि होगी. सुख के साधनों पर व्यय होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. प्रमाद न करें. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. योजना फलीभूत होगी. किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है.

मीन : लाभ में वृद्धि होगी. रुके कार्यों में गति आएगी. तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी. सत्संग का लाभ मिलेगा. शेयर मार्केट से लाभ होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यापार में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ रहेगा. कानूनी सहयोग मिलेगा. थकान महसूस हो सकती है. आलस्य हावी रहेगा.

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पेट की चर्बी गलाने के लिए खाएं बाजरे की रोटी

आपने कई तरह के आटे की रोटियां खाई होंगी, लेकिन आज हम आपको एक विशेष आटे की रोटी के बारे में बताएंगे, जिसे खाकर आप एक दिन में ही 1.5 किलो वजन कम कर सकते हैं और अगर आप इसे एक महीने तक खाएं तो 5 से 6 किलो तक वजन घटा सकते हैं. बस इसे बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना होगा.

■ जानें बाजरे की रोटी के फायदे

हम बात कर रहे हैं झारखंड के लोकल आटा बाजरे के बारे में. जी हां! यह आटा खासकर रांची के आसपास के खेतों में पाया जाता है. आदिवासी लोग विशेष रूप से इस आटे की रोटी खाते हैं. इसमें प्रोटीन, आयरन, विटामिन ए, बी, फोलिक एसिड जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं और यह वजन घटाने में कारगर है.

रांची के प्रसिद्ध आयुर्वेदिक डॉक्टर वीके पांडे बताते हैं कि इसमें उच्च मात्रा में फाइबर लगभग 80% होता है. साथ ही कैलोरी बहुत कम होती है. एक रोटी में लगभग 20 से 30 कैलोरी ही होती है और यह ग्लूटेन फ्री भी होती है. यही कारण है कि यह वजन घटाने में मददगार है.

आदिवासी लोग हमेशा इसकी रोटी खाते हैं. इसलिए वे ज्यादा मोटे नहीं होते और हमेशा स्वस्थ रहते हैं. अगर आप 6 महीने तक इसका सेवन करें और जंक फूड और चीनी बंद कर दें तथा सुबह और शाम दो-दो रोटियां खाएं, तो आप 15 किलो तक वजन कम कर सकते हैं.

■ जानें कैसे बनाएं बाजरे की रोटी

बाजरे की रोटी बनाना मुश्किल नहीं है, लेकिन एक बात का ध्यान रखें कि आटा गूंथते समय गर्म पानी का उपयोग करें. इससे आटा अच्छे से गूंथ जाएगा और रोटी बेलते समय नहीं टूटेगी. वहीं, रोटी को हल्के हाथों से बेलें. जहां उच्च फाइबर और ग्लूटेन फ्री होने के कारण यह थोड़ी कठिन हो सकती है, लेकिन गर्म पानी और हल्के हाथों से बेलने पर सुंदर रोटी बन जाएगी.

AC से निकलने वाले पानी को इन 5 कामों में करें इस्तेमाल

- अगर आपके घर में गमले या बगीचे में पौधे हैं, तो AC से निकलने वाला पानी उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है. यह पानी पौधों के लिए हानिकारक नहीं होता और इसे सीधे गमलों में डाला जा सकता है. इससे न सिर्फ पानी की बचत होती है, बल्कि पौधों को समय-समय पर ताजगी भी मिलती है. यह पानी सिंचाई के लिए नियमित उपयोग में लाया जा सकता है.
- AC का पानी घर की सफाई में भी काम आ सकता है. इसे फर्श, खिड़कियों और फर्नीचर की सफाई में इस्तेमाल किया जा सकता है. यह न सिर्फ पानी की बचत करता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरुकता भी दर्शाता है. घर की सफाई के लिए अगर आप रोज साफ पानी उपयोग करते हैं, तो AC का पानी एक अच्छा विकल्प हो सकता है.
- अगर आप अपनी कार हफ्ते में एक या दो बार धोकर साफ करते हैं, तो AC का पानी इस काम में सहायक हो सकता है. यह पानी कार धोने के लिए उपयुक्त होता है और इससे पानी की काफी मात्रा बचाई जा सकती है. गर्मियों में जब जलसंकट बढ़ता है, ऐसे समय में यह छोटा कदम बड़ा बदलाव ला सकता है.
- गर्मियों में जब कूलर में बार-बार पानी भरना पड़ता है, तब AC से निकला ठंडा पानी कूलर के लिए बेहतर विकल्प बन सकता है. यह पानी पहले से ही ठंडा होता है और कूलर की ठंडक बनाए रखने में मदद करता है. इससे पीने योग्य पानी की बचत भी होती है, जो अक्सर कूलर में इस्तेमाल होता है.
- इनवर्टर या कार की बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर की जरूरत होती है, लेकिन अगर इमरजेंसी कंडीशन हो तो एसी का पानी इसके लिए उपयुक्त हो सकता है. हालांकि कंपनियां साफ कहती हैं कि बैटरी में डिस्टिल वॉटर ही डालना चाहिए. एसी का पानी बार-बार बैटरी में डालने से बैटरी की कार्यक्षमता घट सकती है. इसलिए इस उपयोग से बचना चाहिए.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

किशोरी को घर में खींचकर रेप की कोशिश, मुंह बंद रखने के लिए 12 लाख का ऑफर

मेरठ. यूपी के मेरठ में सरधना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी को घर में खींचकर रेप की कोशिश की गई. किशोरी की चीख पुकार सुनकर पड़ोसी के पहुंचने से किशोरी की अस्मत बच सकी. इससे पहले कि लोग जुटते किशोरी से दरिंदगी की कोशिश करने वाला भाग निकला. पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन बिना कार्रवाई लौट गई. मामले को निपटाने के लिए गांव में पंचायत बैठ गई. इसमें किशोरी की अस्मत की बोली लगा दी गई. उसे 12 लाख रुपये लेकर मुंह बंद रखने को कहा गया. किशोरी के परिजनों ने पंचायत का ऑफर ठुकरा दिया. देर रात किशोरी के परिजनों को चौकी बुलाकर पुलिस ने समझौते का दबाव बनाया और कोरे कागज पर हस्ताक्षर करा लिये. मामला थाने पहुंचा तो पीड़ित पक्ष ने तहरीर दी.

अतीक के बेटे की जेल में खातिरदारी पकड़ाई, डिप्टी जेलर और वार्डन निलंबित

यूपी में माफियाओं और उनके घर वालों की जेल में अब भी बादशाहत कायम है. चित्रकूट जेल में मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की खातिरदारी का मामला पिछले दिनों सामने आया था. इसके बाद कई जेल अधिकारियों को निलंबित किया गया था. अब माफिया अतीक अहमद के बेटे अली की नैनी जेल में खातिरदारी पकड़ाई है. नैनी जेल में बंद अतीक अहमद के बेटे के बैरक से कई प्रतिबंधित सामान बरामद हुए हैं. अली के पास कैश भी था. छापेमारी के दौरान उसने कैश जेल वार्डन को पकड़ा दिया लेकिन मामला सीसीटीवी में कैद हो गया. डीजी जेल ने तत्काल मामले में एक्शन लेते हुए जेल वार्डन और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया है. डीआईजी जेल को पूरे मामले की जांच सौंपी है. माना जा रहा है कि अब्बास अंसारी के मामले की तरह यहां भी कई जेल अफसर नप सकते हैं. अतीक अहमद का बेटा अली 2022 से ही यहां बंद है.

पति को नशीला लस्सी पिलाकर पत्नी ने प्रेमी संग किया कांड, CCTV में कैद हुई करतूत

हापुड़. यूपी के हापुड़ में पत्नी ने आधी रात प्रेमी साथ कांड कर दिया. नगर क्षेत्र के गांव सराबा में शादी के करीब डेढ़ माह बाद ही पत्नी आभूषण और नगदी लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई. आरोप है कि इससे पहले उसने पति और पूरे परिवार को लस्सी में नशीला पदार्थ पिलाकर सुला दिया. शुक्रवार आधी रात बाइक से प्रेमी के साथ पहुंचा. इसके बाद प्रेमी के साथ जाती हुई महिला पड़ोसी के सीसीटीवी में कैद हो गई. सीसीटीवी फुटेज देख ससुरालियों ने माथा पकड़ लिया. कोतवाली हापुड़ नगर में गांव सराबा निवासी आरिफ ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई सलमान कारपेंटर का कार्य करता है. 25 अप्रैल को उसका निकाह लोनी निवासी युवती के साथ हुआ था. शुक्रवार की रात करीब 10 बजे विवाहिता ने ससुराल में मौजूद पति समेत सभी लोगों को लस्सी पिलाई थी. लस्सी पीने के बाद सभी लोग अचेत हो गए. सुबह करीब सात

इलॉन मस्क के स्टारशिप में टेस्ट के दौरान धमाका

- लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया
- आस-पास के घरों की खिड़कियां हिल गईं

टेक्सास. दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क का स्टारशिप-36 रॉकेट टेक्सास के स्टारबेस टेस्टिंग साइट पर अचानक धमाके के साथ फट गया. इसकी लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया. ये धमाका भारतीय समय के अनुसार आज यानी, 19 जून को सुबह करीब 09:30 बजे हुआ. धमाका उस वक्त हुआ जब 29 जून को होने वाले स्टारशिप के 10वें टेस्ट फ्लाइट से पहले रॉकेट का दूसरा स्टैटिक फायर टेस्ट चल रहा था. इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर ही रखकर उसके इंजन को चालू किया जाता है, ताकि लॉन्च से पहले सब कुछ ठीक हो, ये चेक किया जा सके.

ऊपरी हिस्से में विस्फोट हुआ, रॉकेट आग के गोले में बदल गया

फ्यूल लोडिंग प्रक्रिया शुरू होने के बाद विस्फोट हुआ

नासा स्पेसफ्लाइट यूट्यूब चैनल पर ये टेस्ट लाइव दिखाया जा रहा था. इस दौरान कमेंट्री में बताया गया कि फ्यूल लोडिंग प्रक्रिया शुरू होने के लगभग 30 मिनट बाद विस्फोट हुआ. स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान रॉकेट के इंजन को लॉन्च माउंट से जुड़े रहते हुए चालू किया जाता है. टेस्ट में रॉकेट के छह रैप्टर इंजनों को एक साथ चालू करना था.

टेस्ट शुरू होने से ठीक पहले, रॉकेट के ऊपरी हिस्से में, जहां फ्यूल टैंक होते हैं, अचानक विस्फोट शुरू हुआ. देखते ही देखते पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया. आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां हिल गईं.

इस धमाके का जो वीडियो सामने आया है उसमें दिख रहा है कि रॉकेट के नोज यानी, ऊपरी हिस्से से अचानक आग की लपटें निकलती हैं और फिर पूरा रॉकेट धमाके के साथ फट जाता है.

कोई हताहत नहीं, लेकिन नुकसान बड़ा

स्पेसएक्स ने इस हादसे के बाद बयान जारी कर बताया कि टेस्ट साइट के आसपास पहले से ही सुरक्षा का पूरा इंतजाम था. सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और आसपास के इलाकों में रहने वालों को भी कोई नुकसान नहीं हुआ. कंपनी ने लोगों से अपील की है कि वो टेस्ट साइट के पास न जाएं, क्योंकि अभी भी वहां आग बुझाने और सफाई का काम चल रहा है.

कैमरन काउंटी के शेरिफ ऑफिस और स्थानीय पुलिस ने भी पुष्टि की कि कोई घायल नहीं हुआ. फायर डिपार्टमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की. लेकिन रॉकेट और टेस्ट साइट को हुआ नुकसान इतना ज्यादा है कि स्पेसएक्स को अब अपनी 10वीं टेस्ट फ्लाइट की योजना पर फिर से काम करना पड़ेगा.

ट्रम्प की पाक आर्मी चीफ से बंद कमरे में मुलाकात

- आसिम मुनीर बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल प्राइज मिलना चाहिए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर से बंद कमरे में मुलाकात की. दोनों ने व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में साथ लंच किया. यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की है.

इस मुलाकात मुनीर के ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग वाले बयान के बाद हुई. व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया कि मुनीर ने ट्रम्प को मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया था. उनके इस बयान के सम्मान में ट्रम्प ने उन्हें लंच पर बुलाया था.

आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं. ट्रम्प से उनकी मुलाकात से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी. इस दौरान मोदी ने साफ कहा था कि 7 से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच बातचीत के बाद सीजफायर हुआ था. किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं.

इजरायली अस्पताल पर गिरी ईरान की मिसाइल

तो भड़के PM नेतन्याहू, बोले- भारी कीमत चुकानी होगी

तेल अवीव. ईरानी मिसाइल गुरुवार को दक्षिणी इजरायल के एक हजार बेड वाले अस्पताल पर गिरी, जिसमें 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए. इस हमले के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी चेतावनी दी है. उन्होंने कहा है कि ईरान को इजरायल के दक्षिणी हिस्से में एक अस्पताल पर मिसाइल हमले के बाद भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. गुरुवार की सुबह दक्षिणी इजरायल के मुख्य अस्पताल में ईरानी मिसाइल गिरी, जिससे व्यापक क्षति हुई, लेकिन कोई गंभीर चोट नहीं आई. इजरायली मीडिया ने खिड़कियों के उखड़ने और भारी काले धुएं के फुटेज प्रसारित किए. इस हमले पर ईरान ने कहा कि

अस्पताल पर हुए मिसाइल हमले का मुख्य लक्ष्य इजरायली सैन्य और खुफिया अड्डा था, न कि स्वास्थ्य सुविधा.

दक्षिणी इजरायल में एक अस्पताल और तेल अवीव के पास दो शहरों पर ईरानी मिसाइलों से हमला किया गया, जिसमें इजरायली बचावकर्मियों ने ईरान के नवीनतम हमलों में कम से कम 47 लोगों के घायल होने की सूचना दी. समाचार एजेंसी IRNA ने कहा, इहमले का मुख्य लक्ष्य सोरोका अस्पताल के आसपास स्थित गाव-यम टेक्नोलॉजी पार्क में इजरायली सेना कमान और खुफिया बेस (IDF C4I) और सेना खुफिया शिविर था.इ इसके अलावा, अन्य मिसाइलों ने तेल अवीव के पास कम से कम दो स्थानों पर एक ऊंची इमारत और कई अन्य आवासीय भवनों को निशाना बनाया.

अस्पताल में आपातकालीन टीमें द्वारा मरीजों को निकालने के दौरान दक्षिणी शहर बीरशेबा में सोरोका मेडिकल सेंटर से काला धुआं उठता दिखाई दिया. दो डॉक्टरों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हवाई हमले के सायरन बजने के तुरंत बाद मिसाइल ने हमला किया, जिससे एक जोरदार विस्फोट हुआ, जिसे सुरक्षित कमरे से सुना जा सकता था. अस्पताल ने कहा कि मुख्य प्रभाव एक पुरानी सर्जरी बिल्डिंग पर पड़ा, जिसे हाल के दिनों में खाली कराया गया था. हमले के बाद, इमरजेंसी वाले मामलों को छोड़कर सभी रोगियों के लिए, चिकित्सा सुविधा बंद कर दी गई थी. सोरोका में 1,000 से अधिक बिस्तर हैं और यह इजरायल के दक्षिण के लगभग 1 मिलियन निवासियों को सेवाएं प्रदान करता है.

ईरान के लिए मुस्लिम देश ही कैसे बने काल?

- अलर्ट मोड पर 40000 जवान

ईरान-इजरायल जंग का आज (गुरुवार, 19 जून) सातवां दिन है. दोनों ही देश एक दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं. ताजा हमलों में ईरानी सेना ने बीती रात दक्षिणी इजरायल में मिसाइलों की बारिश की, जिसमें बीरशेबा में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया है. इजरायली प्रवक्ता ने कहा है कि ईरानी हमले में सोरोका अस्पताल को भी भारी नुकसान पहुंचा है. इजरायल की आपातकालीन सेवा का कहना है कि इन हमलों में देश भर में कम से कम 65 लोग घायल हुए हैं.

दूसरी तरफ, खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है लेकिन ये हमला कब होगा या इस योजना पर अमल कब होगा, इसका आदेश

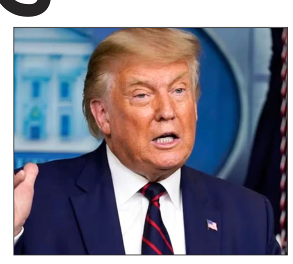

अभी ट्रंप ने नहीं दिया है. अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का मुख्यालय पेंटागन और उसके अधिकारी ईरान पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. इस बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ किलेबंदी मजबूत कर दी है और ईरान के पड़ोसी मुस्लिम देशों के साथ मिलकर ही उसके खिलाफ चक्रव्यूह की रचना की है.

द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते तनातनी के बीच वॉशिंगटन ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब और जॉर्डन समेत तमाम मध्य-पूर्व के देशों में तैनात 40,000 जवानों को अलर्ट पर रखा है. एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने मिडिल ईस्ट में उन अमेरिकी ठिकानों की पहचान की है, जहां ईरान संभावित रूप से हमले कर सकता है. बता दें कि मध्य-पूर्व और आसपास में अमेरिकी सेना के कम से कम 20 सैन्य अड्डे मौजूद हैं. इनमें से अधिकांश सैन्य अड्डे ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों की जद में हैं.

अमेरिका ने कैसे रचा चक्रव्यूह?

अमेरिका को इस बात की आशंका है कि जैसे ही इजरायल के साथ ईरान के खिलाफ उसके सैनिक जंग में कूदते हैं, वैसे ही ईरान अमेरिका पर पलटवार कर सकता है और ईरान के निकटस्थ देशों में अमेरिकी बेस पर हमले कर सकता है. इससे बचने के लिए अमेरिका ने इस्लामिक गणतंत्र के नजदीक मुस्लिम देशों में तैयारियां पुख्ता कर ली हैं.

कार ने पिकअप को मारी टक्कर, 8 लोगों की मौत

पुणे. पुणे जिले में बुधवार को बेहद ही दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. जेजुरी मोरगांव रोड पर हुए इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है. जेजुरी पुलिस स्टेशन की सीमा में बुधवार को शाम 6:45 बजे के करीब किलोस्कर कंपनी के पास श्रीराम ढाबे के सामने जेजुरी-मोरगांव रोड पर ये भीषण हादसा हुआ. दरअसल, श्रीराम ढाबे के मालिक वायसे अपने ढाबे के लिए फ्रिज को पिकअप वाहन से नीचे उतार रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही स्विफ्ट डिजायर कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में सात पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक पुरुष, एक महिला और दो छोटे बच्चे घायल हो गए हैं. मृतकों के शव जेजुरी ग्रामीण अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए हैं. घायलों में एक पुरुष, एक महिला और दो छोटे बच्चों का उपचार शांताई हॉस्पिटल, जेजुरी में चल रहा है.

पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने पुष्टि की कि स्थानीय पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और क्रेन की मदद से मलबे को हटाने की प्रक्रिया शुरू की. घटनास्थल से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के प्रयास जारी है.

अब तक आठ लोगों की मौत की पुष्टि..

1. सोमनाथ रामचंद्र वायसे – निवासी, तालुका पुरंदर, जिला पुणे
2. रामू संजीवनी यादव – निवासी, तालुका पुरंदर, जिला पुणे
3. अजय कुमार चव्हाण – निवासी, उत्तर प्रदेश
4. अजित अशोक जाधव – निवासी, कांजळे, तालुका भोर, जिला पुणे
5. किरण भारत राऊत – पवारवाडी, तालुका इंदापुर, जिला पुणे
6. अश्विनी संतोष एस.आर. – निवासी, सोलापुर
7. अक्षय संजय राऊत – झारगडवाडी, तालुका बारामती, जिला पुणे
8. एक अज्ञात पुरुष – पहचान शिनाख्त नहीं हो सकी है

मोदी का 3 देशों का दौरा खत्म, भारत लौटे

- 5 दिन में 27 हजार किमी का सफर
- साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया गए

PM मोदी पांच दिन का विदेश दौरा पूरा करके गुरुवार को भारत लौट आए हैं. प्रधानमंत्री सबसे पहले 15-16 जून को साइप्रस में रहे. फिर 17 जून को कनाडा पहुंचे, 18 जून को G7 समिट में हिस्सा लिया. फिर क्रोएशिया गए, बुधवार को क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में पीएम मोदी के स्वागत में मंत्र पढ़े गए और भारतीय नृत्य पेश किया गया. इसके बाद PM मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से मिले.

मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच से द्विपक्षीय बातचीत की. ये किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है. यहां 17 हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं.

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से रेस्क्यू 110 भारतीय छात्र दिल्ली पहुंचे

- कहा- वहां हालात खराब होते जा रहे
- सभी मेडिकल स्टूडेंट, आर्मेनिया के रास्ते लाए गए

ईरान की उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे लगभग 110 भारतीय छात्र सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं. इनमें से 90 छात्र कश्मीर के हैं. ईरान-इजराइल जंग में फंसे छात्रों को वापस लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है. भारत पहुंचे छात्रों ने बताया, 'वहां के हालात हर दिन खराब होते जा रहे हैं. खासकर तेहरान में स्थिति बहुत खराब है.

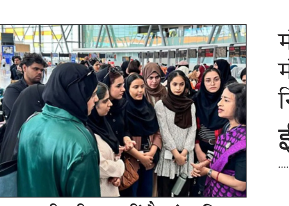

युद्ध अच्छी चीज नहीं है. इंसानियत ही मारी जाती है. ईरान से निकाले गए ये छात्र मंगलवार को आर्मेनिया पहुंचे थे, जहां उन्हें राजधानी येरेवन के होटलों में ठहराया गया.

इसके बाद आज इन्हें कतर के रास्ते भारत लाया गया. इंडिगो की एक फ्लाइट आर्मेनिया के येरेवन एयरपोर्ट से इन छात्रों को लेकर कतर की राजधानी दोहा के लिए रवाना हुई थी. इसके बाद एक दूसरी फ्लाइट से इन्हें दोहा से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट लाया गया.

मंगलवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने छात्रों को ईरान से बाहर निकालने की पुष्टि की थी.

ईरान से बसों में लाए गए छात्र

इन छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों में निकाला गया. ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं. ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं. मंत्रालय ने विदेशी नागरिकों से ईरान छोड़ने से पहले अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी मांगी थी.

दिव्या देशमुख ने वर्ल्ड नंबर-1 को हराया

- वर्ल्ड रैपिडचेस में सिल्वर

19 साल की दिव्या देशमुख ने दिव्या देशमुख ने सोमवार को दुनिया की नंबर-1 चेस प्लेयर हौ यिफान को हराया. जूनियर कैटेगरी की वर्ल्ड नंबर-1 दिव्या ने चीन की हौ यिफान को हराते हुए वर्ल्ड टीम रैपिड और ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में 3 मेडल जीते. इनमें रैपिडचेस का सिल्वर और ब्लिट्ज का ब्रॉन्ज मेडल शामिल है.

- यिफान को दूसरे चरण में हराया

लंदन में समाप्त हुए FIDE वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चेस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में नागपुर की दिव्या का सामना यिफान से हुआ. यह मुकाबला शतरंज के सबसे तेज प्रारूप में था, जो हाल ही में वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश के बीच खेले गए क्लासिकल गेम की तरह रोमांचक था.

- दिव्या ने हेक्साइमाइंड चेस क्लब के लिए खेलीं

यिफान ने WR चेस टीम का प्रतिनिधित्व किया, जबकि दिव्या हेक्सामाइंड चेस क्लब के लिए खेलीं. पहले चरण में यिफान ने दिव्या को हरा दिया था, लेकिन दूसरे चरण में दिव्या ने शानदार वापसी की. सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने शुरुआती बढ़त का फायदा उठाया और तेजी से चालें चलकर समय पर नियंत्रण हासिल किया.

PM मोदी ने तारीफ की

दिव्या की इस अचीवमेंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है. PM मोदी ने सोशल प्लेटफार्म X पर लिखा-'लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के दूसरे चरण के ब्लिट्ज सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई. उनकी सफलता उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है. यह कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है. उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं.'

सरकारी कर्मचारियों के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) के तहत आने वाले कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है. अब इन्हें भी रिटायरमेंट और डेथ ग्रैच्युटी का लाभ उसी तरह मिलेगा जैसा कि पुराने पेंशन सिस्टम (OPS) के अंतर्गत मिलता है. यह जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को दी. कर्मचारियों के द्वारा लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी.

सरकार के फैसले से लाखों कर्मचारियों को राहत मिलेगी और पेंशन संबंधी असमानता दूर होगी. केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस संदर्भ में कहा कि नया प्रावधान कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कहा कि यूपीएस के तहत यह लाभ केंद्रीय सिविल सेवा (एनपीएस के तहत ग्रैच्युटी का भुगतान) नियम, 2021 के प्रावधानों के अनुरूप दिया जाएगा. बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया.

वित्त मंत्रालय ने 24 जनवरी को जारी अधिसूचना में कहा था कि एक अप्रैल, 2025 से केंद्र की सिविल सेवा में भर्ती होने वाले कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत एक विकल्प के रूप में यूपीएस की शुरुआत होगी.

राजा हत्याकांड के पीछे लव या मनी एंगल?

- फिर इंदौर पहुंची एसआईटी, क्या है इसकी वजह

इंदौर. राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच कर रही मेघालय पुलिस की एसआईटी एकबार फिर इंदौर पहुंची है. एक अधिकारी ने बताया कि एसआईटी यह पता लगाने के लिए इंदौर गई है कि राजा की हत्या के पीछे कई मनी एंगल तो नहीं है. इस बीच मेघालय पुलिस ने सोनम समेत हत्या के सभी आरोपियों को शिलांग से करीब 65 किलोमीटर दूर सोहरा ले गई. पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपियों से क्राइम सीन को फिर से रिक्रिएट कराया.

- हत्या के पीछे लव या मनी एंगल?

सनद रहे इस हत्याकांड की शुरुआती जांच के बाद जब आरोपी पकड़े गए थे तब पुलिस की ओर से वजह के तौर पर प्रेम प्रसंग के कारण यानी लव एंगल के

कारण हत्या किए जाने की बात सामने आई थी. अब जब एसआईटी फिर से मध्य प्रदेश के इंदौर शहर पहुंची है तो पुलिस का कहना है कि वह हत्या के पीछे पैसा या मनी एंगल से भी जांच पड़ताल कर लेना चाहती है. ऐसे में देखना होगा कि फाइनल जांच के निष्कर्ष में हत्या की कौन सी ठोस वजह सामने आती है.

- इस वजह से इंदौर में डाला डेरा

शिलांग जिला पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने बताया- हमारी टीम इंदौर में है. वह कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है. हमारे जांच अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि राजा की मौत से किसी को फायदा तो नहीं हुआ है. हत्या के पीछे मनी एंगल यानी कोई वित्तीय मकसद तो नहीं है. एसपी ने यह भी बताया कि जांच टीम ने उस फ्लैट पर छापा मारा, जिसमें सोनम मेघालय से भागने के बाद रुकी थी, लेकिन वह खाली मिला.

- वारदात के पीछे कोई और मकसद तो नहीं

एसपी ने कहा कि फिलहाल एसआईटी इंदौर में डेरा डाले रहेगी. इस दौरान हमारे जांच अधिकारी पता लगाएंगे कि क्या प्रेम त्रिकोण के अलावा वारदात के पीछे कोई और मकसद तो नहीं है. जांच की बारीकी से निगरानी कर रहीं पुलिस महानिदेशक आई नोंग्रांग की मानें तो एसआईटी वारदात के अन्य एंगल पर भी विचार कर रही है. एसआईटी ने दिन में सोहरा में कई जगहों का दौरा किया.

- राजा पर हुए थे तीन वार

एसआईटी उस पार्किंग स्थल पर भी गई जहां आरोपियों ने अपने किराए के दोपहिया वाहन पार्क किए थे. हत्या के बारे में चौंकाने वाले विवरण तब सामने आए जब क्राइम सीन रिक्रिएट किया गया. एसपी ने बताया कि राजा पर तीन वार किए गए थे. पहला वार विशाल ने पीछे से किया जबकि सोनम उसके सामने थी. यह एक बड़ा वार था जिसमें आरोपी ने दोनों हाथों का इस्तेमाल किया. फिर आनंद ने दूसरा वार किया और आखिरी वार आकाश ने किया था.

दो फ्लाइट की फिर इमरजेंसी लैंडिंग

- लेह जा रहे इंडिगो विमान की दिल्ली वापसी
- हैदराबाद-तिरुपति स्पाइसजेट उड़ान भी 10 मिनट बाद लौटी

नई दिल्ली. दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट 6E 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह वापस दिल्ली लौट आई. फ्लाइट में क्रू मेंबर्स सहित 180 लोग सवार थे. इसके अलावा स्पाइसजेट फ्लाइट SG 2696 भी उड़ान भरने के 10 मिनट बाद वापस लौट गई. ये फ्लाइट हैदराबाद से तिरुपति जा रही थी. फ्लाइट में कुल 80 यात्री सवार थे.

एयरलाइंस ने बताया कि, टेकऑफ के बाद पायलट को संकेत मिला कि विमान के पिछले दरवाजे में कुछ दिक्कत है. जिसके बाद फ्लाइट वापस एयरपोर्ट आ गई.

इससे पहले बुधवार को एअर इंडिया की 3 फ्लाइट कैंसिल की गईं थीं. इनमें दिल्ली-बाली, टोरंटो-दिल्ली और दुबई-दिल्ली वाली उड़ानें शामिल थीं.

संक्षेप...

मुंबई की सात झीलों में जल स्तर में वृद्धि का संकेत

मुंबई. बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने झीलों में पानी की आपूर्ति के बारे में जानकारी जारी की है, जो भारी बारिश के कारण मुंबई की सात झीलों में जल स्तर में वृद्धि का संकेत देती है। शहर की जल आपूर्ति के लिए आवश्यक झीलों की कुल क्षमता 14.47 लाख मिलियन लीटर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने क्षेत्र में लगातार बारिश का अनुमान लगाया है, जिससे जल स्तर और भी बढ़ने की आशंका है।

आईएमडी ने 22 जून तक मुंबई में बारिश की भविष्यवाणी की है, आज और कल हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है, और 20 जून को मध्यम बारिश के साथ-साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

मुंबई समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

- रायगढ़ के स्कूलों में छुट्टी के आदेश
- 40-50 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

मुंबई. महाराष्ट्र के कई जिलों में आज मूसलाधार बारिश होगी। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए मुंबई, ठाणे, पालघर के लिए येलो अलर्ट और रायगढ़ और रत्नागिरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीती रात से रायगढ़ जिले में मूसलाधार बारिश जारी है। इसके चलते रायगढ़ जिला अधिकारी ने आज के दिन सभी स्कूलों के लिए छुट्टी के आदेश दिए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि बारिश के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चल सकती हैं। आज और कल पश्चिमी महाराष्ट्र क्षेत्र में बारिश अधिक तीव्र होने की उम्मीद है। कुछ क्षेत्रों में थोड़े समय में 70 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है।

निवासियों को सतर्क रहने की सलाह

पुणे शहर, सतारा और रायगढ़ के कुछ हिस्सों सहित आसपास के पहाड़ी इलाकों में दिन भर लगातार बारिश होने की संभावना है। सप्ताहांत तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। नागपुर, चंद्रपुर, भंडारा और गढ़चिरौली जैसे विदर्भ जिलों में भी व्यापक बारिश होने की उम्मीद है। इसलिए निवासियों को सतर्क रहने, बारिश के दौरान यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है।

मुंबई में 21 जून को भी बारिश जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि 22 या 23 जून तक कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन अगले सप्ताह की शुरुआत में बारिश वापस आने की संभावना है। इस दौरान तापमान 25°C और 32°C के बीच रहेगा।

बता दें कि महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं और इस दौरान अधिकारियों को पेड़ गिरने और दीवार गिरने की कई शिकायतें मिलीं। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा कि किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है।

उल्हासनगर 4 ओटी सेक्शन उमंग अस्पताल के पास वर्षों पुराना पेड़ वहां से गुजर रही एक कार पर जा गिरा। इस कार में दो लोग सवार थे लेकिन वो पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं। फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर उस पेड़ को वहां से हटाया। भारी तूफानी बारिश के चलते यह पेड़ गिरा है। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

दसवीं में उत्तीर्ण छात्रों को पुरस्कृत किया गया

ठाणे. शहर स्थित घोडबंदर रोड पातलीपाड़ा परिसर में मनपा की ओर से संचालित माध्यमिक स्कूल क्र. 21 के दसवीं में अच्छे अंको से उत्तीर्ण हुए छात्रों को स्मृति चिन्ह और प्रोत्साहन राशि देकर पुरस्कृत किया गया। दसवीं में अच्छे अंक पाने वाले छात्रों को 10000, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान को प्रोत्साहन राशि के रूप में 3000 और 2000 दिया गया। डी.जे. बक्षी ने अपनी स्वर्गीय मां सुलोचना जगन्नाथ बक्षी के स्मरण में दसवीं के परीक्षा में बेहतर अंको में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को स्मृति चिन्ह और प्रोत्साहन राशि का चेक देकर सम्मानित किया। मुख्याध्यापिका सुचिता तेलवणे ने इस अनोखी पहल की प्रशंसा कर उनके प्रति आभार व्यक्त की। पातलीपाड़ा स्थित मनपा स्कूल क्रमांक 21 के तमाम छात्रों के उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में घोड़बंदर रोड पातलीपाडा मनपा माध्यमिक स्कूल क्र 21 की मुख्याध्यापिका सुचिता तेलवणे, स्कूल क्र 53 की मुख्याध्यापिका कल्याणकर, शिक्षिका वर्षा जाधव, कुमुदिनी सोनवणे, सुरवंता सोडनर, कविता वाघमारे आदि उपस्थित थी।पुरस्कार विजेता छात्रों में प्रेम प्रधान 83% अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं.

समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता; हाई-स्पीड गश्ती नौकाएं तैनात

मुंबई: मुंबई राज्य की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है. मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने बताया कि सरकार समुद्री सुरक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है और अब इस दिशा में हाई-स्पीड गश्ती नौकाएं तैनात कर सुरक्षा प्रणाली को और अधिक मजबूत किया जा रहा है. मंत्री राणे ने मुंबई के मछली बंदरगाह परिसर में हाल ही में तैनात की गई आधुनिक गश्ती नौका का निरीक्षण किया.

इस अवसर पर मत्स्य पालन आयुक्त किशोर तावड़े, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और गश्ती नौकाएं आपूर्ति करने वाली कंपनी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे. मंत्री राणे ने कहा कि राज्य सरकार ने समुद्री निगरानी के लिए ड्रोन आधारित सुरक्षा तंत्र की स्थापना की है, जो मछुआरों की गतिविधियों की निगरानी के साथ ही आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करता है.

15 आधुनिक हाई-स्पीड गश्ती नौकाएं

इस प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अब 15 आधुनिक हाई-स्पीड गश्ती नौकाएं तटीय क्षेत्रों में तैनात की जाएंगी. इनमें से 5 नौकाएं पहले ही कार्यरत हो चुकी हैं. इन नौकाओं की मदद से अवैध मछली शिकार, तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण किया जा सकेगा, साथ ही मछुआरों और समुद्री क्षेत्र में कार्यरत नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी.

यशवंत विद्यालय में नया शैक्षणिक वर्ष शुरू

- विद्यार्थियों का गुलाब के फूलों से किया गया स्वागत

उल्हासनगर. श्रीराम शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा संचालित यशवंत विद्यालय के प्राथमिक विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ. पहले दिन विद्यालय परिसर को विद्यार्थियों के लिए रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया. फूलों से सजी कक्षाएं, दरवाजे से प्रवेश करते ही प्रत्येक छात्र पर फूलों की वर्षा, स्कूल के पहले दिन को एक वास्तविक उत्सव बना देती थी. स्कूल की पहली सीढ़ी पर कदम रखने वाले प्रत्येक छात्र का गुलाब देकर स्वागत किया गया. विद्यार्थियों ने भी खुशी-खुशी इस नए शैक्षणिक युग में प्रवेश किया. पहले दिन स्कूल की रसोई से आ रही मीठी चाशनी की खुशबू से छात्रों की खुशी दोगुनी हो गई. स्कूल ने मध्याह्न भोजन के दौरान मीठी चीजें परोसकर विद्यार्थियों को उनकी नई शुरुआत की याद दिलाई. शिक्षा के नए युग की इस मधुर शुरुआत ने कई विद्यार्थियों के जीवन में एक नया अध्याय लिख दिया है.

निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण

इस विशेष प्रवेशोत्सव के लिए श्रीराम शिक्षण प्रसारक मंडल के अध्यक्ष डॉ. विलास चौधरी के मार्गदर्शन का लाभ मिला. इस अवसर पर मंडल पदाधिकारी सुधाकर ढाके, बापू सावंत, दिलीप सपकाल सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे. संगठन ने पहले ही दिन नये विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं. यह अभिभावकों के लिए भी राहत की बात थी. प्रवेश के इस पहले दिन विद्यार्थियों का स्वागत प्राचार्य प्रमोद नेहेते व अन्य शिक्षकों ने किया. यह कार्यक्रम विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक सहायता प्रदान करने, बल्कि एक प्रेमपूर्ण, आत्मीय वातावरण प्रदान करने के प्रयास को भी दर्शाता है.

फेरीवाल यूनियन ने शहरी विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल से की मुलाकात

वेंडर एक्ट, 2014 को लागू करने की मांग की

मुंबई. महाराष्ट्र जनता हॉकर यूनियन (MJHU) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार द्वारा पारित वेंडर एक्ट 2014 को लागू कराने की मांग को लेकर शहरी विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल को एक ज्ञापन सौंपा.

यूनियन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेन्द्रकुमार बाजपेई ने कहा कि यूनियन ने शहरी विकास राज्य मंत्री को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा जिसमें महाराष्ट्र सरकार से वेंडर एक्ट, 2014 को पूरी सख्ती से लागू करने की मांग की गई. बाजपेई ने बताया कि माधुरी मिसाल ने यूनियन को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी. बैठक में यूनियन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें सलाहकार सुहास बने और निलेश कंट्रािया, उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह और निखिल हरपुडे, महासचिव बी. व्ही. साळवी, कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता एवं सचिव अकबर शेख, विनोद मोरे, अमित वेळूकर पाटील शामिल थे.

ज्ञापन में महाराष्ट्र सरकार का ध्यान वेंडर एक्ट की धारा 3(2) की ओर आकर्षित किया गया, जिसमें कहा गया है "नगर विक्री समिती सभी फेरीवालो का सर्वेक्षण कर उन्हे वेंडिंग जोन में समायोजित किया जाए बशर्ते कि यह फेरीवालो की संख्या उस वार्ड/क्षेत्र/नगर /शहर की जनसंख्या के 2.5% तक सीमित हो." इस अधिनियम में स्पष्ट रूप से एक शहर में वेंडिंग करने वाले फेरीवालो की अधिकतम सीमा 2.5% निर्धारित की गई है. मुंबई की जनसंख्या के अनुसार लगभग 3.75 लाख फेरीवालो इस श्रेणी में आते हैं. श्रीमती मधुरी मिसाल ने विधानसभा में बताया था कि बीएमसी ने 2014 में फेरीवालो का सर्वे किया था, जिसमें कुल 99,435 आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन इनमें से केवल 32,415 फेरीवालो को पात्र माना गया. श्री बाजपेई ने सवाल उठाया कि यदि अधिनियम की धारा 3(2) के अनुसार मुंबई में पात्र फेरीवालो की संख्या 3.75 लाख हो सकती है, तो केवल 32,415 हॉकरों को ही पात्र क्यों माना गया और शेष को अपात्र क्यों घोषित किया गया?

उन्होंने यह भी बताया कि यूनियन के सर्वेक्षण अनुसार मुंबई में 4 लाख से अधिक फेरीवालो हैं. वहीं ठाणे में, ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) ने केवल 1398 हॉकरों को पात्र माना है, जबकि जनसंख्या के अनुसार यह संख्या 3 लाख तक हो सकती हैं |

केलकर ने जेल में संग्रहालय का किया निरीक्षण

ठाणे. विधायक संजय केलकर की पहल और संकल्पना पर ठाणे जेल में जल्द ही वहां के क्रांतिकारियों से संबंधित संग्रहालय बनाया जाएगा और दिवाली तक यह सभी के लिए खुल जाएगा केलकर ने जानकारी दी. उन्होंने आज विशेषज्ञों के साथ जेल में जाकर संग्रहालय का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. इस संग्रहालय के अवसर पर ठाणेवासी एक बार फिर ठाणे जेल के इतिहास को देख सकेंगे. इतिहास के विद्वान मकरंद जोशी ने इतिहास से संबंधित जानकारी दी है. मूर्तिकार वर्षा रेड्डी इस मूर्ति का निर्माण कर रही हैं. उन्हें इतिहास के शोधकर्ता पांडुरंग बलकावड़े का मार्गदर्शन भी मिल रहा है.

मंगलवार को केलकर ने इतिहास के विद्वान मकरंद जोशी, मूर्तिकार वर्षा रेड्डी और प्रज्ञा म्हात्रे के साथ जाकर संग्रहालय के काम का निरीक्षण किया. इसमें 1737 से 1947 तक के ठाणे मुक्ति संग्राम के इतिहास से संबंधित मूर्तियां बनाने का काम चल रहा है. उस कार्य के निरीक्षण के साथ-साथ ठाणे कलाप्रेमियों को कहां प्रवेश दिया जाए तथा प्रांगण पर क्रांतिकारियों की मूर्तियां कैसे स्थापित की जाएं, इस संबंध में जेल अधीक्षक रानी भोसले तथा संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई. इस समय जोशी तथा अय्यर ने केलकर को यह भी बताया कि मूर्तियां कैसे स्थापित की जाएंगी तथा उन घटनाओं की जानकारी दी जाएगी.

> ठाणे एक ऐतिहासिक शहर है, इस संग्रहालय के माध्यम से इस ऐतिहासिक स्मारक को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है. ठाणे जेल और उसका पूर्व किला महत्वपूर्ण स्थल हैं. आम नागरिकों को इस इतिहास को देखने और उससे प्रेरणा लेने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से यह संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है.
>
> –विधायक संजय केलकर

यह कार्य करलवकर द्वारा पूर्ण करने की ओर अग्रसर है. इसके लिए केलकर के विधायक निधि तथा जिला नियोजन समिति के निधि से यह संग्रहालय बनाया जा रहा है. क्रांतिकारियों की मूर्तियां पांच फीट ऊंची स्थापित की जाएंगी.ठाणे जेल से पहले इस स्थान पर ठाणे किला था. इसलिए किले तथा जेल के इतिहास, पुर्तगालियों ने इस किले का निर्माण कैसे किया, मराठों ने इस पर विजय कैसे प्राप्त की, अंग्रेजों ने इसे जेल में कैसे परिवर्तित किया, इनसे संबंधित मूर्तियां वहां प्रदर्शित की जाएंगी. प्रत्येक मूर्ति के नीचे दो पंक्तियों में इतिहास लिखा जाएगा. ठाणे शहर में स्वतंत्रता आंदोलन की घटनाएं किस प्रकार घटित हुईं, यह सब इस प्रदर्शनी में देखा जा सकेगा.इस अवसर पर ठाणेकरों को पुराना फांसी द्वार भी देखने को मिलेगा. इसी जेल में राघोजी भांगरे और अनंत कन्हेरे को फांसी दी गई थी. वासुदेव बलवंत फड़के, राघोजी भांगरे, अनंत कन्हेरे और उनके साथियों, स्व. विनायक दामोदर सावरकर जैसे कई क्रांतिकारियों की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी.

आम सूचना

मैं श्री हबीब नाझीरअहमद खान सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ब्लॉक ए-7 के सामने, इंदिरा गांधी कालोनी, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 09एओ021327500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शेहनाझ बेगम मो.असीफ हुसेन शेख के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.6.2025 सी.नं. 2237/2025 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-

श्री हबीब नाझीरअहमद खान

क्यों लापता होना चाहते थे अभिषेक बच्चन?

- नए पोस्ट में लिखा- कभी-कभी खो जाना...

अभिषेक बच्चन ने बुधवार को एक पोस्ट किया था जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. इस पोस्ट में अभिषेक ने लिखा था कि वह लापता होना चाहते हैं. अभिषेक के इस पोस्ट को पढ़कर फैंस भी परेशान हो गए थे कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों लिखा. अब अभिषेक ने अपने नए पोस्ट से क्लियर कर दिया है कि आखिर मामला क्या है. यह उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट से रिलेटेड हैं.

अभिषेक की नई फिल्म

अभिषेक ने दरअसल, अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए पोस्टर शेयर किया है. फिल्म का नाम है कालीधर लापता. पोस्टर शेयर कर अभिषेक ने लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप. कभी-कभी खो जाना कोई दिक्कत नहीं है. यहीं से रियल स्टोरी शुरू होती है. सपनों से भरा हुआ, ट्विस्ट और लोग जिनकी वजह से ये सब हुआ. फिल्म का प्रीमियर 4 जुलाई को होने वाला है.' अभिषेक ने लिखा था, 'मैं एक बार लापता होना चाहता हूं, भीड़ में खुद को फिर से पाना चाहता हूं. जो कुछ भी था, सब दे दिया अपनों के लिए. अब जरा सा वक्त बस अपने लिए चाहता हूं.'

अभिषेक की हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई है जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की है और इसमें अभिषेक के साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख लीड रोल में थे. वैसे कालीधर लापता के अलावा अभिषेक फिल्म राजा शिवाजी में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म को रितेश देशमुख डायरेक्ट करने वाले हैं. फिल्म में अभिषेक के अलावा संजय दत्त, महेश मांजरेकर, सचिन खेड़कर भी हैं.

पुल से फेंके गए कृष्णा के लिए सिविल अस्पताल बना देवदूत

ठाणे. पुल से पैदल जा रहे एक लड़के को कुछ नशेड़ियों ने पुल से नीचे फेंक दिया।गंभीर रूप से घायल लड़के को दोनों पैरों की एड़ियों में फ्रेक्चर के साथ इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया गया और पैर की सफल जोखिम भरी सर्जरी की गई। खर्डी रेलवे स्टेशन के पास एक गांव का निवासी कृष्णा मुकने (15) शाम को अपनी दादी के पास जा रहा था। समृद्धि महामार्ग पर पुल पार करते समय कुछ अज्ञात शराबी लोगों ने कृष्णा को बिना किसी कारण के उठा लिया और पुल से नीचे फेंक दिया। हालांकि नीचे गिरने से कृष्णा बुरी तरह घायल हो गया। वह उठ भी नहीं सका। दोनों पैर में चोट लगने के कारण उसे तुरंत ठाणे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके दोनों पैरों का एक्स-रे लेने पर पता चला कि उसके पैर की हड्डी टूट गई हैं। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार और अतिरिक्त जिला सर्जन डॉ. धीरज महांगड़े के मार्गदर्शन में सर्जरी की गई। पंद्रह दिनों में कृष्णा के दोनों पैरों की कुल तीन सर्जरी सफल रही हैं। इस सर्जरी के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विलास सालवी, डॉ. अजीत भुसागरे, डॉ. मयूर नागरगोजे, डॉ. दीपेश पाटिल, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपाली यादव और सिस्टर गायकर, पाटिल सिस्टर, राणे सिस्टर, भक्ति सिस्टर और कर्मचारी ठाकरे मामा, मिलिंद मामा, मदन मामा, नितिन मामा ने अथक परिश्रम किया।

मुंबई में रैपिडो-उबर बाइक टैक्सियों के खिलाफ FIR

मुंबई. मुंबई पुलिस ने रैपिडो और उबर बाइक टैक्सियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया है. इन कंपनियों पर शहर में राज्य सरकार की अनुमति के बिना अवैध रूप से सेवाएं संचालित करने और यात्रियों को ले जाने का आरोप है. एक अधिकारी ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के निरीक्षक की शिकायत के आधार पर दोनों कंपनियों के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

Staff Required

SINDHI MALE

Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED

CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

-: प्रवेश निवेदन :-

सत्यमेव जयते

एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प शहापुर वा. शहापुर जि. ठाणे, या कार्यालयांतर्गत शासकिय आदिवासी मुलांचे 9 (शहापूर, खडी, उल्हासनगर, नवी मुंबई, कल्याण, मुरबाड, गिवंडी, मिराभाईंदर, किन्हवली व मुलीच (शहापूर, उल्हासनगर, खर्डी) असे एकुण 12 वसतिगृह कार्यरत असुन रान 2025-2026 या शैक्षणिक वर्षात वसतिगृहातील प्रवेश ऑनलाईन पध्दतीने भरावयाचे असल्याने आदिवासी विद्यार्थ्यांनी ऑनलाईन प्रवेश अर्ज भरण्यासाठी जाहीर आवाहन करण्यात येत आहे.

राज्यातील विभागीय, जिल्हा, तालुका व ग्रामीण स्तरावर अनुसूचित जमातीच्या विद्यार्थ्यांना उच्च शिक्षण घेण्यासाठी आदिवासी विकास विभागाव्दारे शासकीय वसतीगृह योजना कार्यान्वीत आहे. तसेच विभागीय व जिल्हा स्तरावर इयत्ता 12 वी नंतर पुढे उच्च शिक्षण घेण्यासाठी शासकीय वसतिगृहात प्रवेश न मिळालेल्या अनुसूचित जमातीच्या विद्यार्थ्यासाठी पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वंयम योजनेचा लाभ घेता येईल, सदर दोन योजनपेकी कोणत्याही एका योजनेची निवड करता येईल.

वसतीगृह प्रवेशाकरीता / पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वंयम योजने करीता swayam.mahaonline.gov.in या संकेत स्थळाव्दारे ऑनलाईन अर्ज नोंदणी प्रकिया सुरु करण्यात आलेली आहे. नोंदणीकृत परिपूर्ण अर्ज दिनांक 30.06.2025 पर्यंत किंवा त्या-त्या अभ्यासक्रमाचे निकाल लागल्यापासून 1 (एक) महिन्याचे आत ऑनलाईन अर्ज करणे अनिवार्य राहील. अर्ज नोंदणीसाठी मार्गदर्शक सुचना (युझर मॅन्युवल) वर नमुद संकेस्थळावर उपलब्ध आहे.

सदर नोंदणीकृत केलेले परीपूर्ण अर्ज हे संबंधीत गृहपालांकडे (वसतीगृह प्रवेश करीता) / महाविद्यालयांकडे (पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वयंम योजनेकरीता) योग्य दस्ताऐवजासह विहित कालावधीत सादर करण्यात यावे.

तरी वर नमूद योजनेचा लाभ घेण्यासाठी इच्छुक विद्यार्थ्यांनी दिलेल्या संकेत स्थळावर तात्काळ संपर्क साधुन ऑनलाईन अर्ज नोंदणी करावी. ऑनलाईन अर्ज नोंदणीस काही अडचणी येत असल्यास त्यासाठी नजीकच् वसतीगृहाचे गृहपाल यांचेकडे संपर्क साधावा.

सही/-
(आर.वी. हिवाळे)
प्रकल्प अधिकारी
एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प,
शहापुर, जि. ठाणे

विमाका / कोवि/2025-2026/71

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099